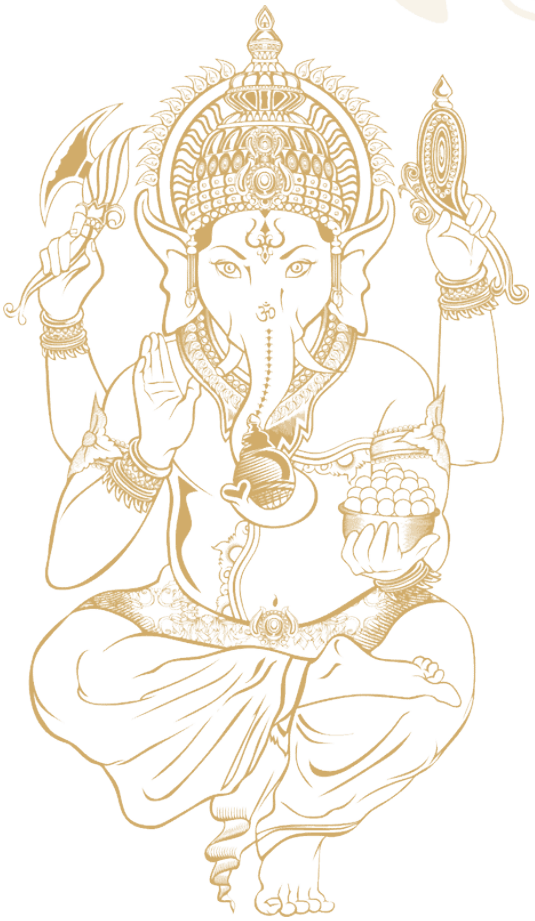

Hemant

Shakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121092903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/12/1998	जन्म तिथि	09/04/2000
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 13:00:00	जन्म समय	18:45:00 घंटे
घटी 14:23:19	जन्म समय(घटी)	31:49:02 घटी
India	देश	India
Shamli	स्थान	Saharanpur
29:27:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:40	सूर्योदय	05:59:59
17:30:55	सूर्यास्त	18:43:12
23:50:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:23

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 7वर्ष 8मा 6दि		00:46:20	मेष	लग्न	कन्या	27:20:07	मंगल 3वर्ष 8मा 16दि	
मंगल		13:31:39	धनु	सूर्य	मीन	26:07:58	गुरु	
05/09/2022		21:32:35	मेष	चंद्र	वृष	29:35:51	25/12/2021	
05/09/2029		23:12:09	कन्या	मंगल	मेष	18:53:03	25/12/2037	
मंगल	01/02/2023	23:44:27	वृश्चि	बुध	मीन	01:04:51	गुरु	13/02/2024
राहु	20/02/2024	27:42:55	कुंभ	गुरु	मेष	17:16:14	शनि	26/08/2026
गुरु	26/01/2025	28:10:23	धनु	शुक्र	मीन	09:34:09	बुध	01/12/2028
शनि	07/03/2026	02:55:40	मेष व	शनि	मेष	22:38:49	केतु	07/11/2029
बुध	04/03/2027	29:19:00	कर्क व	राहु व	कर्क	06:06:45	शुक्र	08/07/2032
केतु	31/07/2027	29:19:00	मक व	केतु व	मक	06:06:45	सूर्य	26/04/2033
शुक्र	29/09/2028	16:58:43	मक	हर्ष	मक	26:07:45	चन्द्र	26/08/2034
सूर्य	04/02/2029	07:07:22	मक	नेप	मक	12:29:17	मंगल	02/08/2035
चन्द्र	05/09/2029	15:10:47	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:52:24	राहु	25/12/2037

लग्न-चलित

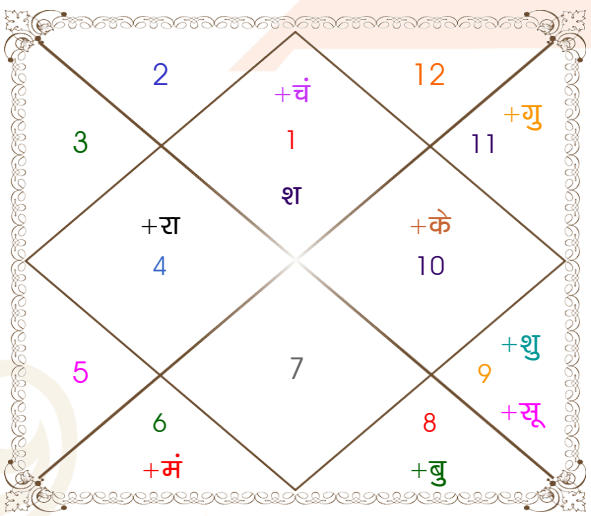

लग्न-चलित

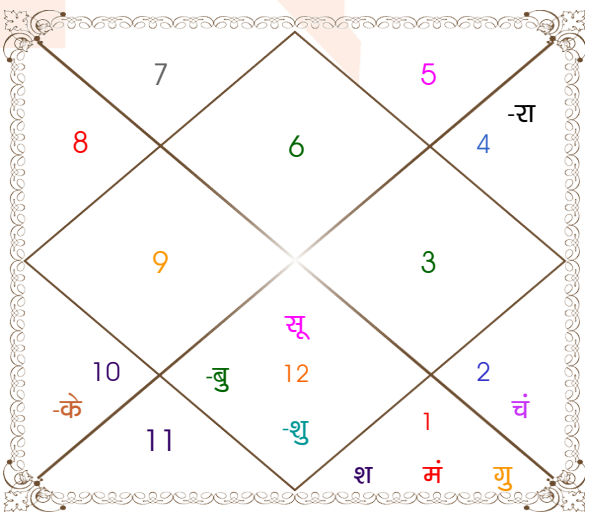

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Shakshi का नक्षत्र मृगशिरा है।

Hemant का वर्ग मृग है तथा Shakshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hemant और Shakshi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Hemant मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Shakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shakshi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Shakshi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Hemant कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Hemant तथा Shakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।